भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2455
13 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

उत्कृष्टता केन्द्रों का आरंभ

†2455. श्री राजमोहन उन्नीथनः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) शहरी नियोजन के क्षेत्र में शुरू किए जा रहे चार उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के आलोक में प्रत्येक को किस विशिष्ट विशेषज्ञता के क्षेत्रों के साथ नामित किया जाएगा;

(ख) ये सीओई शहरी नियोजन के प्राचीन भारतीय ज्ञान को आधुनिक एआई-आधारित समाधानों के साथ किस तरीके से प्रभावी ढंग से एकीकृत करता है;

(ग) स्थिरता, लचीलापन और सामाजिक समानता जैसी समकालीन शहरी चुनौतियों का समाधान करने के लिए किस तरीके से इसे लागू किया जा सकता है; और

(घ) क्या सरकार के पास देश भर में, विशेष रूप से छोटे शहरों और कस्बों में शहरी योजनाकारों और नीति निर्माताओं के लिए अपने निष्कर्षों को सुलभ और कार्रवाई योग्य बनाने की कोई योजना है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क) से (घ) आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) ने निम्नलिखित संस्थानों को शहरी नियोजन और डिजाइन के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र (सीओई) के रूप में नामित किया है और इन संस्थानों के साथ सितंबर, 2024 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं:

i) स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, दिल्ली
ii) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर
iii) सीईपीटी, अहमदाबाद और
iv) एनआईटी कालीकट

इसका उद्देश्य शहरी नियोजन और डिजाइन के क्षेत्र में इन उत्कृष्ट केंद्रों को 'अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थान' के रूप में विकसित करना है और नवाचार, ज्ञान सृजन, सर्वोत्तम कार्यों के प्रचार-प्रसार, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण को बढ़ावा देकर और शिक्षा-उद्योग-सरकार और सिविल सोसायटी की निरंतर भागीदारी के लिए मंच तैयार करके देश में शहरी नियोजन और डिजाइन के क्षेत्र में नेतृत्व के उच्चतम मानकों को बनाए रखना है। इन उत्कृष्ट केंद्रों को क्षमता निर्माण कार्यक्रम/प्रमाणित पाठ्यक्रम, विशेषज्ञ मार्गदर्शन, सर्वोत्तम कार्यों को साझा करने और स्थानीय/क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप नवीन समाधान प्रदान करके राज्यों को सहायता प्रदान करने का अधिदेश है। इन उत्कृष्ट केंद्रों को राज्यों के साथ काम करने और राज्यों की प्राथमिकता के अनुसार वास्तविक परियोजनाओं पर शहरों के साथ साझेदारी करने का भी कार्य सौंपा गया है।

ये उत्कृष्ट केंद्र सभी आधुनिक प्रौद्योगिकीय उपकरणों का उपयोग अनुसंधान, शहरी नियोजन और डिजाइन के अभिन्न घटकों के रूप में करते हैं।

मंत्रालय ने एक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जिसमें सभी सीओई द्वारा संचालित प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रम और अपने द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं/अनुसंधान कार्यों को साझा करते हैं।

*****